

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं नमस्कृत्य ॥ २ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं नमस्कृत्य ॥ ३ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं नमस्कृत्य ॥ ४ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं नमस्कृत्य ॥ ५ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं नमस्कृत्य ॥ ६ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं नमस्कृत्य ॥ ७ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं नमस्कृत्य ॥ ८ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं नमस्कृत्य ॥ ९ ॥
सर्वत्र भगवत्पदं नमस्कृत्य ॥ १० ॥

ततथमनातथसुहिकरुजनकप्रवहिस्रपदातथना
कतेनलपतिलान॥२४॥तागा॥वताहि॥यकनानि
॥गाथिडसुरुतेदसकातियूतिनामध्वडासप्रअक्ष
खसवागमति०॥अस्तेविनूमतीधतमयाथासुनिया
रुअधिवतिगनइवसूयतिपूनेउरुयनितसनेमनि
तपनमतिउतिरुजनयातवतिमाकयतथि

॥२५॥अरुगूतिथयदसदसमासातदानयाडाअ
वडाथयामूडवासातित्रियाप्लखरुद्धधतमप्रा
शाहवेनतद्धिमिदविनक्रातलोकतलाअकु
॥२६॥तागा॥वदत्रिया॥सामा॥असंरुहवितत्रि
तवातगववातकअअताअसियूननेपोगमके०॥ताकतद
॥अनलअ॥असनंदअध्वदाकेकअरुकसायनकेसद

ॐ न ता ज के य मान के ङि ता ज्ञा तं ॥ २७ ॥ ता गा ॥ य दू ति
या ॥ ज नि ॥ हल कि ङि ॥ द ख सि मा हा द व ज ग न से सा त्र ज
माना म अ ता य द वा र्द्ध ना छा ता खा तं ज ॥ या ङि ता हा य द म प ष ॥ द
सि ना वि मा ले ज ॥ उ अ वि या ज न ध न द ङि ता छा ता खा ता ज ॥
॥ ता गा ॥ सा त्र ग ॥ य क ता नि ॥ ज ता ध कि न प्र क जि वा ज्ञा तं मि
न द य द म द प्र द ता द ता म सू नि म प्र मा ना मा दि त पि मा स

स द ॥ द दा दि न कू र ता ॥ द वा व न कू र ता ॥ द का नू क क त ज
वि को र ॥ २८ ॥ ता गा ॥ णी ॥ य क ता नि ॥ ज ख या य ता ज्ञा
ल न छा त स दा न ॥ ज्ञा त य अ ष्ठ ह य ता मा थ ॥ य प्र ज्ञा त वा ल
वा सि या दा न दि त न ज्ञा न ॥ अ ता य ला न मा ता हा थ कि ता ध ता
दा न क त सू मा ता हा थ ॥ य ज्ञा त दा न ता कू द त मि त न ज्ञा न थ
क द ज्ञ सू न मा ता हा थ कि ता ध ला ॥ २९ ॥ ता गा ॥ ना त ॥ ज नि ॥

वैयाकृतिकवाकाकिगधः नवाभः, अकारनकनाभालक
 नमः विताभः, नकननकनहः, नकलनवाभः, अ
 नलहनिजउरुनभाताकनप्रविताभः ॥ ३० ॥ गगः ॥ व
 दितिया ॥ यनः ॥ कउतूरखनयूररुतनदिजाः, गत
 दवाहनहः, नविद्यावनजाः ॥ ३१ ॥ गगः ॥ यथ
 रति ॥ नितनाथहनवलसुतेग, नदिविदि, वनामधुत

॥ स, अदिनाथनित, सचहननिवास, सविदयेक
 रतिप्रसंग ॥ ३२ ॥ गगः ॥ रयाति ॥ रमा ॥ स
 वतवसितहननिसंगीत, धनमथनयनलीमजुत
 नसंग, दमखितरयसतनितगीत, संग, कुमदीनि
 गामनज्ञगत, अग्रहवगावयवहृविधलंग ॥ ३३ ॥
 ॥ गगः ॥ गमकी ॥ त ॥ अथकतामिदविरवानिजसूतज

वि

जिनगुमानि॥ ६॥ अथिडगुनिमद न सप्रापतावता
 थयागानि॥ कुंदतसिक सुंदरुधीकं अतनलुडामकं
 इमंजिकं इलीअतिथिकं अत्रियासाहिनसिकं॥ कडड
 केवार्तगतसकाखानं सुगुतिमाउनअसखानं ति सतया
 दोहं तनेनअयानमिअंसदुगनथजालं॥ कविमंछिदासं
 मयाअदतासं पुनयाअजिमनयाअसं छिवाहिप्राथमं

अकविलवासंरुलनयिअजमयामं॥ ३४ ॥ नाग॥ ७॥
 ॥ अति॥ अनातिला जिवननासं सुखदुतिकुचअतास
 वयानं किंदतिलि। वृष्टीवात मुखयानं जिवनलासं
 मुखकोतदयातागालाककानं किंदतिलि॥ ३५
 ॥ नागे॥ ४॥ अथरुनीतवज्रा॥ ६॥ लवलप्रदलपतिद
 छिनसवास। आनंदआनंदअसताकमनकाअ॥ छिग
 १मात्रुआ।

अथिडगुनिमद न सप्रापतावता
 थयागानि॥ कुंदतसिक सुंदरुधीकं अतनलुडामकं
 इमंजिकं इलीअतिथिकं अत्रियासाहिनसिकं॥ कडड
 केवार्तगतसकाखानं सुगुतिमाउनअसखानं ति सतया
 दोहं तनेनअयानमिअंसदुगनथजालं॥ कविमंछिदासं
 मयाअदतासं पुनयाअजिमनयाअसं छिवाहिप्राथमं

अमुना खडी सखन गलुमि समरु मा डि गन मा या, विर
 सता यन कडन मन नह ~~या वान~~ ~~दिन~~ ~~या~~ क न पथ
 डन ता या ॥ धन म कल म सखु त डल म, ना क या त म
 धू ता या, क वि या का मूना मन या लो वन कृष्ण या वा
 त्रि नि वा या ॥ ३८ ॥ **ता ग ॥** विल स ॥ ग ड ॥ अ न नू
 या सखी मी सल सन क्रि ता डी अ न, डी वल ख ष्य य डि न ड

अ न डी डी ॥ अ न डी न थ नि डि न आ गी नि प्रा हू स र
 स, हा ग या वल न डि न, डी वल ख ता मर ॥ अ ल ग क ल
 म थ डी, प्र ह म द्वा दि द य, द न व न रु त र्हा य अ ल गी
 नि या त र ॥ नृ य डी नि प ल को स डी क व र मा त र हू, म द न
 ग या त प्र ह, द ल स न या य र ॥ ३९ ॥ **ता ग ॥** मी ग ॥ अ नि
 ग न स दि त न, द न त डी या डी, के या स ल न या न ख डी

३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

जिन। अतिनतिशूलतज्जतननिप्राय् गथिउधद्वन
 त्रिकुदिन॥ मुनिवतथनिमत्रिजतकाय् त्रिउउतिके
 आगनताय। यातातसुशवासुशुतत्रिमिनासुअखतत्रि
 लसायसाय॥ सुहमतिस्वनधल्लतज्जपाअरुल्लंअमखन
 उविधान् नृयतिताजनह्लाकमननदिप्राअदल्लंअ
 त्वदेवप्राकृयान॥ १६०॥ नाग॥ वहतिप्रा॥ वा॥ ३

जातिनि

यजप्रकालिनिकथिनसंतानिनि॥ दालितं दानवय
 लंरुजप्रजाविकृतनयनतिनिज्जन्मअन्त्रनिमाक
 धरं॥ जनउअवृखधत्रयिनयप्राधतवंदेकेतासितश्व
 रंनानालथनजतनकुतंरखनदाखसदासितश्वरं॥
 सवकत्रयतिहतिमदमाततमनमुखगततगतके
 धालस्वदेगकवात्रप्राहयवतध्रिनिस्तदस्तमत्रद

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

खलो वै ॥ गीतिके दत्त मुखहि मत्त दावति, सिस्सकक
दलताञ्ज, सजलजतजसनसू, दत्तज्ययनमेदमाता
हो वै ॥ कमतासननातापनवदिनी, ज्ञेयमतादत्त
पान, पूतज्जिमतजगतजननिकोत्रि, यततायमत्त
हुंजोदोस ॥ ५१ ॥ तागा ॥ मोतथ ॥ ख ॥ मोदनस
लिजिजीजीसमान ॥ ५२ ॥ वलिखासमयससातसा

असविगुवाससूठनठज्ज, सगलकसखादालदत्तवनज्ज
सूसतठज्ज ॥ ५३ ॥ अथवलससाज्जजान, गुवानसिद्धतेप्या
ज्ज ॥ ज्जोदलसनताप्रज्जसगनजिमिसनूगलमूपाज्ज ॥ कल
नामदूकज्जज्जामतेखज्ज, लतयथममसमान, विहसताय
नसतिगतज्जज्जानलनिज्जमखुथयतान ॥ मथूतामदलससू
खयाथसखज्ज, हुंज्जिहंज्जथगाम, ज्जनकतसखज्ज

१८ सोमेश्वर का जन्म

म
त्रिवनिमलमग्रपलमावसहलस्याम ॥ लोकककुम्
दिनिपतिवृत्तस्वमनिजगतजयनक्षामान ॥ लुङ्गकन
गूनकनमञ्जुनातिनहमत्रयाडिस्यान ॥ ४२ ॥ त्रा
ग ॥ यदुष्टि ॥ जति ॥ दसेमतकताजनदिदप्रसवाल
तामचदञ्जुगहंतातखनप्रमात्रिवोले ॥ ४३
॥ त्राग ॥ कोत्राज ॥ ग ॥ यजविस्वासवाहापातान

यज्वीमावासा

उवासनतयदप्रताडतिरुवान ॥ ज्वडसखस
पलजावितमताज ॥ सत्ररुज्जतिमज्जतिरुहति
मकाडी ॥ सिवरजनातठमतनल ॥ यलसनइय
ज्जवतल्लवल ॥ ज्जतिविमत्रयदुखडडाडीख
लोक ॥ त्राहोनतडनहतिषूनोकोडक ॥ यत्र
यमनकायमसिडासुनान ॥ मिसाज्जदतयाया

१५५
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गोदानयाः श्रीगोमान ॥ ५५ ॥ **॥ राग ॥ गुरुले**
॥ स्व ॥ दमाना दरे वानिच्छि बलन विदासदान, सुतजनकल
अ हि गुरियमाना मालमातगलसकोखायान, दमा ॥ **॥ द**
सूतगनगुलिया कदात्रदात, लसनखलगजाडा, दमा
॥ यत्रैकनशतयाश्च नंदन, न ~~य~~ याडा किनलनसन ~~॥~~ दमा
॥ मनिबुलपतवतवीअ कसालूपन, यतजुआगिनीइयाडा

मनिबुत

दमा ॥ **॥** वानिच्छि बलनलाककयातनम, यादूनगलियउ
कात, दमा ॥ ५६ ॥ **॥ राग ॥ वा ॥** मनिबुलनिवासिनिः
शिवजजागिनी, सिद्धिनिलुयिनिधत्रिदवीआयिनिबुपि
नि ॥ **॥** त्रिनयनसंधलिनतमूदमाता, खगनिलुयिनिक्खा
सूतकललासा ॥ यचकयातताक, नागदरुद्विनि, साद
अलन, सूजकतिलतवर्ध ॥ **॥** तलाकजननिः सत्रिकोदिन

दिजात्रा । हलवमातिकागजमकुमालिका लिका ॥ नादद
 विसूमलन, नाद उगताला । सकत वत्रनि, कृपाकलशीह
 वानि ॥ ७१ ॥ पलनायमल, संसालकिशाल । लिपूकृत्रनायक
 बसिद यउ दास्य ॥ ४७ ॥ ॥ नागविलागत्रा ॥ ७ ॥ वासा
 खलप्रास्य, सिमायिपादू विम, सतुत्रखापिअनिपमउ
 लवाकृस्य ॥ सिमातास्य सूनदि सग्वत्रनमरु सं । ग्वत्रनन

लमयनखिचायाक्रियान ॥ ग्वलननयनिअ, कवतिप्राम
 नम्रव्यामलीडसुयनूत्रसाद्यान ॥ सूजनयोसूवचन, म
 डनग्वक्रन । जलमदनात्यसूखमलात्यअक्रन ॥ पलनायम
 तनसालच्छुतिक्लाय, थूयकानमयुअक्र, लाप्रच्छुतिकक्लाय ॥
 ४८ ॥ ॥ नाग ॥ ॥ शासावति ॥ ॥ ख ॥ ॥ गूधानमोसं हया, खसिधाः
 उलखता नकिगथिउ हतासूकि, किकिग्याशमानधा नाकि

लसानदि नदि डान या ना वा स्य ॥ गूमानमस्य अति संवति द
 पिरव वि सं साल अति तस्य या डी ॥ जब गत स ह्या य अति खलः
 तथ द मेख विध मूम शठु तिथि या डी ॥ मदल्य सवति द मूड
 धन जन जाल जाल म धा डी ॥ तड या मि त डी धन मन जाल कत
 स लाल या धर्द वन म या क ॥ नृपति श्री यल ना यम सन या न
 पल उ व काल ॥ अस या य ना वन पल जा ड ह मन गति ड सख

या वि चाल ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ॥ राग ॥ प्रथम जै ॥ ७ ॥ आसा मय म
 त ता मा ध व र सि न ह व स स डान व पूता म ख या ॥ प्रथम स आ द
 तला य अ मि त तु र ह ल च द मा डी तु त ज स ह्या य स स स ता मा ध व
 ॥ वता वि ति ता स्य द ल सि त स स व न का लि वी न दि ना य ल सा वा
 नू व क न मा ध व ॥ ह ति ह ना म न ल ता र्वा क स थ न मा या
 मा हा या स रू ना का म्या नि लि रू ना मा ध व ॥ चित चि ता मन प्र या

ॐ आ। कृद्विज्ञानं चित्तवियमरूडिनं सत्तमं जन
॥ मूर्तिमानिकथुडां न्यातुवायतनयात्रिसंकाशनं
वनसंशुद्धं मत्तमनिं सुनां ॥ क्काकक्रयाप्रहृग्व
वातसुन्दरं सत्तमं सावखानं त्रिमिसलं ननायतां
ननां ॥ ७७ ॥ तागे ॥ हंतेव ॥ ख ॥ देवजन
सिधिवामकविहं नंदयातयान्नीयनिज्जनाथयानाथ

आमं मत्तमं

274

छिबलनति ह नथयसहनया ॥ ६५ ॥ सितमसुद्रकनाग
 तं सविज्ञाना नमालुति हि ह सानया ॥ अथिअखातउन
 रुपाखदकथिक नं अइतसूऊकातिया ॥ विद्यनदतल
 पुम गगनायकथमदवसूतमभिनूया ॥ अमूलजवमाल
 पसूयातूअइअज्ञानमालातासातिया ॥ अमिअननसिव
 रगतिन ॥ सुमलउसविहूगया ॥ हजनयाकजनरूतकइ

एतन्नगभागा

खल्लिनविनति ह नक्काकया ॥ ६६ ॥ ॥ जागा ॥ ॥
 सावति ॥ ॥ ॥ गवतमातामनदयसूनदलवानि ॥ ६७ ॥
 नादतचहनकमलदमतमनसहमतहता ॥ तटिहव
 नयसवतं अविमनं ॥ अवाअनियअनकादि दलयः
 गवतमातामनदयसूनदलवानि ॥ चवतसिदयथि
 तनक्षायतं वतिरुगतिवाक्ष ॥ चहनसतनगतिजानि

यस्य ह्यभा तावति हति स वञ्चय ता धि गच तभा तामन
 दयसून सह वा नि ॥ ज्वन नूय न जानित त्वयु तस चि
 यञ्मि त्वानि निवति ज गत ज प्रम त मभा तथ पुन
 य सैव क जानिय गच तभा तामन दयसून सह वा नि ॥
 ५०१० ॥ ता ग ॥ ता ज वि ज्ञय ॥ त ॥ नमो नमो देवि दू तित
 त्वदिनि ॥ ५॥ सकल ज गत गति गति वल नदि नि न

२
 मानमो देवि दू तित निखदिनि ॥ असि वल क त गन् क्र
 यिखो विदा त्रि नि हय सह नि ह व सा ग त तो लि नि ॥ जू ह
 ता हू न दयि त क त क मा त ल, ह य क नि मि क द वि स
 तू त स द्या त्रि नि ॥ क्षा क्षा य त पु न द वि द क्षा व ल द्या त्रि नि ॥
 ना सह व त न क्षा त्रि गति न दि आ दि ॥ मा क्षा का त पु त क
 न क य द्या त्रि नि ॥ जू नू ख न क त द वि र्व ग स द्या त्रि नि ॥

हं नयविद्यापतिकालिक । सयनसिद्धिदविदात्रिंशति
 ॥ ४१ ॥ ११ ॥ **नाग ॥ नामकालि ॥ ख ॥** जयदेवदविज्ञा
 गनिज्ञाज्ञानिद्रुपज्ञातामखि ॥ ५१ ॥ ॥ सुतसंकनसंज्ञात
 संकतिदेवगनसवकियसूखि ॥ जयनिर्जुवाञ्जुविकेनि
 जहंतञ्जुविमतवादिनि । कात्रिकागनखगखवलधनुज
 माहीनयायनि ॥ सूतसमिधतसवनकुदलसिद्धिज्ञानिनि

सूतनि । मूद्रमात्रसूकथश्चहीतञ्चादिकातनसिवधनि ॥
 तटतासंनियसिद्धिज्ञातं गानत्रयादलसति । नासदंतकम
 नविलंरुजनधनयदमयलपत्रमंभाति ॥ ४२ ॥ १२ ॥ **नाग**
जावतिगावा ॥ सतामज्जुधत्रमरुगयाददातर ॥ ५१ ॥ ॥ सयाञ्ज
 वदाञ्खनथञायाततञाऊनवदतयखञाथममात । गेन
 धनखनञ्जुनताहञ् नतलमनयावयुनिमयाकविचाल ॥

धृतमखगुपतनञ्जुतजनगुपतनथञ्जुतञ्जुकातञ्जुतवः
 कात।सियधककञ्जुतनमलातयूसंसातनथमथमगुप
 निखसिसात॥धृतनयासलाञ्जुनरुसलथसञ्जुनरुय
 रुञ्जुञ्जुननिसाल।तसतित्यसुवचनचिरुकादुतजन
 कलखतथिविधवासात॥ञ्जुगुतिनिलदनयायम
 नञ्जुकनमञ्जुतलसञ्जुञ्जुतनात।कंसयासुतननन
 त

धृतमखगुपतन

तायसुषदखधनरुञ्जुतयमातखगुपात॥ ५३ ॥
 ॥त्राग॥ञ्जुतवनि॥त॥धृतगुतिरुसचिसातितदितविन
 क्रसलयतयतहीठविवुतिनसिवतायलगतिन॥गदधुसा
 मसानमवानिञ्जुतिथिन।गञ्जुतिमूदसनसुतलपितितिनसि
 वतायलगतिन॥लञ्जुलगतिनतातदवमुनि।संसातसञ्जुवि
 नानमखडागुपतिनसिवतायलगतिन॥नागनसाञ्जुन

अभिषेदि

प्राडाविमनि। कतूनादयाडाप्रहयादू नसुदिनसिवताय
 रगतिन ॥ ५८१४ ॥ **नगना। अयवलि ॥** स्व ॥ वनिव
 निहमिवमयतूकवागलकित्रिकि कत्रियमनताः। विनुस
 वत्रसलहीखिअनमागयगूनगडात्रवदूलजाः ॥ सर्वतंगको
 तियसिवसलजववाडात्रनि सुतरगयकतूसूः। वसतद
 लधनसलतगीजातियवोयकसूनसत्रिधाः ॥ येनकयजा

नियमनमः० प्राविम सद्यनकयदियळः० यायि।० माल
मासादवकिनिकिकयेतलुउयजलधधुतंगजाः० ॥निलंज
नजनवात्रसवउवतामय नदिआदलजुनुकेवा।ताहसिव
याअत्रजकदधुतयूलसनिद्रवाअत्ररुतचवा ॥हंनयविद्या
यतीसूनसमहंल ० जा।निकयत्रुतामवा।यत
वत्रुसावतातासजतयसतनदवा ॥ ७५०५ ॥ **नाग॥**

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गङ्गा विष्णु म॥ ल॥ हवानि यावाति वल्लह इत यत्राय ॥ ध्रु
 ॥ स्वर्गुलिता कस्य दत्ता सयल साय सिधिसूखनला कस्य
 कतमिधि । तल्लह न वृक्षा आदि मुनिह गति सप्त उ मि
 स उ विनान मद्देव ॥ धालरु ति उ ति क्क या उ न उ स
 क्क या हि न म नि मय मडु क पे यान । सू च्च वन्द मानि क्क
 निरव सक्कु न स स सा गत मि रवान साहा मान ॥ नि

शिवशङ्कर

गमज्जगमगुली मरु सदसकू उ न क्क ययूल न सू न ल क्क
न । दया त ज्ञी या स्ता मि ज्ञ यय त का स क्का य स सा त या छि
क्क क्क ज्ञा धन ॥ ११५५ ॥ **रागा ॥ ज्ञा सा व त्रि ॥ धा ॥**
लो व न ह ज त थ विलि चि मू त्रि ॥ **क्ष ॥** ग तू दान ग स
स्व ज्ञा स त क्क त स नि त म नि उ ति क्क या वान । क्क स स्वा याः
वान क्क ग म त्रु क त त न थू दा क्क स स कू द त ॥ ११५६ ॥ ह मान ॥

मिखावल्यतिवानञ्जिकलसिकथानभासलवूजः
गतखगननिक्रनरुक्रक्रकंससतिललत्रयशसवि
अकसंकलजजाशन॥रुतकतदूलजनत्रयलवसा
धूजनजिकलधतमदयान।दुतधलससादेतसूतवत
दोभादलत्रुवतियायाननिदोन॥७१७॥राग।
कारि॥३॥यवाधनिज्वतितश्यतछाय॥४॥का

तत्र नञि वनि उथ नञ यमा नि गृति दडा छि नञि ताय
 ॥ इ ता सनञा या थ ध्रु ध्रि मि ता डा नञ नया त म वि त य
 छा य । सा इ त डा डा था स द ण् डा अ डा स ल मा त का ख अ
 न का य ॥ व्या त स व डा त स त डा न थ थ स स त वा त य न म
 ण् छा य । तूल ष्ट त या डा डा द स न अ डा स त स न न म ख न
 द दा य ॥ त स या ख त स न ण् डा स स न न व त न ण् यि ति

५५

धाय। विनतियाडाजिनइयधूनहिजादिनमूमाल
हूयासतयाय॥ कूनयासंवकनकाडलवचननका
हूनजडासतथासा। तयनतायगनडाकूयाहिकेम
नविमूलमनसायसाय॥ ४७००॥ **गाग॥ वत्रानि**
॥ ब॥ हूगागहूवनवतिहूवनसआसतयातथलमा
सागाकेशमगागतवत्राकसतलोककथल॥ अत्र

थमगल्यानूगतसतडादियमालयथमयाडागाडा
सगात्रवासा॥ ४८॥ तथायादूअकूदविदततनकिः
गाद्यत्रवायल, हाकूसुथसुानतलनडाडाथसुकसातगा
कल॥ कतिगाडाहूमत्रनकिचाडाहमवाडाह। थाजाः
तासुककूननसनरुडामवाडाह॥ उदसनडावत्रस
कितयावमाहूडातायल। सुवनयूयाडागाडासतगन

समाशुद्धं सायल ॥ स्रजकादिदवताकं सातयावि
मानसं वासल ॥ ताकनाथनामकासं तथ्यवनकुल
श्रीनिवासल ॥ १७ ॥ ताग ॥ १८ ॥ य ॥ १९ ॥ न
हं तवविनतिखकाय ॥ २० ॥ भवमदुजितततिष्ठि
सुकेससाय ॥ ममाङ्गसुजिनसंवाङ्गतनठयाय, पाङ्ग
रगुनिनतिमजिङ्गाकाय ॥ यायमदुथनिधमकृतमा

वेदा त्मया समस्तं सर्वं न त्रिक संकीर्तय ॥ अमा वा त यनिर
थं अं अंत नवान्, ता त के मरु त क्क समन सज्मान ॥ अ इ
ग सुविधन म आ अ त न सिक, दुख या व क्का य मे व म इ अ-
यनिक ॥ न त न न थं अं अं सम द्द व ल सा त, द्वा ता अ न न
सुध य त्र म या द्वा त ॥ द न् अ ध का अं अं न त या वा सा अ न
क, अं अं त वा वा न क्क न म या क वि वा त ॥ द्वा क क्क अ न थ सि

कवितिमायानविज्ञा

संयादुनेउधन, दुखदडासमुदतछादुनेत्रियाह ॥

॥ १५ ॥ **राग ॥ विलास ॥** कवतिमायानविज्ञा ॥ **५ ॥ क**

वति ॥ द्वेअसजिधोडाहियातिमाया, आअनूगतमछिडा, गाल
नतुआअधितेतास्यवाडाऊमयावासमखडा, लबासाकवतिमाया
नविज्ञा ॥ दिवनत्रिकडाऊमथडाआअनूगतमछिडा, अ
नात्रिमनडानिमसमखडासखतयसद्विज्ञा ॥ यतानंआदीन

मनमानभा

तडुमनत्रीनत्रयदवदकावाडा, क्लिक्लिक्लियाखिनइसडाता
निनछिनामकायमताडा, प्रवास ॥ अंगविनतिनलयाय
तिनमलमसिंदनहाडा, सुयायदासिनिऊयाजियाधिनिकु
नयावासानक्राअलवास ॥ १६० ॥ **राग ॥ मानसी ॥ ५ ॥**

॥ नमानमानभादेवितिहवनतात्रिनिह, विकटतअनूव
रहन्नवनकाहिनिलमानभा ॥ हखननतमुदमाहडाहि

नमः हव्यजगत्तज्जयमगल्लग्नः निनमोनमो ॥ ६१

॥ **नाग** ॥ **मातृगो** ॥ **यो** ॥ तज्जतं दिमर्षितजाइधिताज्जतं
दिमर्षितं तजा। जयति जयजय संखनालताजिनाजिवदा
युजाजय ॥ जयनविवसनानिलीयमर्कं चित्तं तं मूध
जाहमतिवितवधिपदं तं गनइधिरिमहं तवर्नइधि
मिजय ॥ **पु** तवतमितलसातलमदुलशाहनासूतसादिनि

किततिकतिकतिकदतिवादिनि सततिलतिग्वपिनि
जय ॥ दूतितठमतमसामवातु कितातकावतिनूयिनि
कातिकोहंतलूयिनिइधिकातिकोहंतलूयिनिजय ॥

हव्यजगत्तज्जयज्जाहोमविनयमवसंरुवितं पितं वितसताज
यिज्विततंदिदिदिमूवतसूखसंयतं जय ॥ ६२ ॥ **नाग**

॥ **पु** ॥ हवसागततलनपतिज्ञानं ॥ **पु** ॥ वंद

सत्त्वानि ॥ नमस्तुताधिविद्वत्तनिधि
 ॥ अत्रिभुवमिधि ॥ इत्युदसादसा, तनि
 ॥ अदकतकयतसत्त्वानि ॥ अत्रिवलनंद
 ॥ अत्रिनलकतसुखता ॥ तद्विकः
 ॥ अत्रिनलकतसुखता ॥ तद्विकः
 ॥ अत्रिनलकतसुखता ॥ तद्विकः

श्रीगणेशाय नमः

२७

सनथा ॥ कविप्रतापयताकतयविज्ञानं चंदि
 ॥ तननरुगा ॥ अत्रिनलकतसुखता ॥ ६३ ॥ नमः ॥ मानस ॥
 ॥ अत्रिनलकतसुखता ॥ तद्विकः
 ॥ अत्रिनलकतसुखता ॥ तद्विकः
 ॥ अत्रिनलकतसुखता ॥ तद्विकः